

पश्चिमी वकिषोभ से उत्तर प्रदेश में बारिश की संभावना

चर्चा में क्यों?

भारती मौसम वजिज्ञान वभिाग के अनुसार, आने वाले दनिों में **दलिली, पंजाब, हरयिाणा और उत्तर प्रदेश के कुछ हसिाों में हलकी से मध्यम बारशि,** तूफान तथा ओलावृषटिासाथ ही पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में तीवर बरफबारी होने की संभावना है ।

मुख्य बदि:

- सक्रयि पश्चिमी वकिषोभ से उत्तर-पश्चिमी भारत के कई क्षेत्रों में अलग-अलग मौसम की स्थिति देखी जाने की उम्मीद है ।
- पश्चिमी वकिषोभ के कारण सामान्य मौसम प्रारूप में महत्त्वपूर्ण बदलाव होने की उम्मीद है तथा समुदायों को इन परिवर्तनों के लयि तैयार रहने की सलाह दी जाती है ।
 - अधिकारयिों से सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लयि किसी भी आवश्यक उपाय हेतु तैयार रहने का आग्रह कयिा गया है ।

पश्चिमी वकिषोभ:

- पश्चिमी वकिषोभ चक्रवाती तूफानों की एक शृंखला है जो भूमध्यसागरीय क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, ये 9,000 कमी. से अधिक की दूरी तय करके भारत में पहुँचते हैं । यह उत्तर-पश्चिमी भारत में शीत ऋतु में वर्षा के लयि उत्तरदायी है ।
 - पश्चिमी वकिषोभ भूमध्य सागर, काला सागर और कैस्पियन सागर से आर्द्रता एकत्र करता है तथा पश्चिमी हिमालय पर्वत से टकराने से पहले ईरान एवं अफगानिस्तान के ऊपर से गुजरता है ।
- जबकि तूफान प्रणाली पूरे वर्ष में मौजूद होती है, वे मुख्य रूप से दिसंबर और अप्रैल के बीच भारत को प्रभावित करते हैं क्योंकि उपोष्णकटिबंधीय पट्टा जेट स्ट्रीम का प्रक्षेपवक्र शीत ऋतु के महीनों के दौरान हिमालय क्षेत्र में स्थानांतरित हो जाता है ।
 - जेट स्ट्रीम हिमालय के ऊपर से पूरे वर्ष तबित के पठार और चीन की ओर प्रवाहित होती है । इसका प्रक्षेपवक्र सूर्य की स्थिति से प्रभावित होता है ।
- भारत के लयि महत्त्व:
 - पश्चिमी वकिषोभ हिमपात का प्राथमिक स्रोत है जो शीत ऋतु के दौरान हिमालय के ग्लेशियरों में वृद्धि करता है ।
 - ये ग्लेशियर गंगा, सधु और यमुना जैसी प्रमुख हिमालयी नदयिों के साथ-साथ असंख्य पर्वतीय झरनों और नदयिों का पोषण करते हैं ।
 - ये कम दबाव वाली तूफान प्रणालयिों भारत में किसानों को रबी फसल उगाने में मदद करती हैं ।
- समस्यारूँ:
 - पश्चिमी वकिषोभ हमेशा अच्छे मौसम के अग्रदूत नहीं होते हैं । कभी-कभी पश्चिमी वकिषोभ बाढ़, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन, धूल भरी आँधी, ओलावृषटिा और शीतलहर जैसी चरम मौसम की घटनाओं का कारण बन सकते हैं, बुनयिादी ढाँचे को नष्ट कर सकते हैं, साथ ही जीवन तथा आजीविका को प्रभावित कर सकते हैं ।

भारत मौसम वजिज्ञान वभिाग

- IMD की स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी । यह देश की राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान सेवा है और मौसम वजिज्ञान एवं संबद्ध वषियों से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है ।
- यह भारत सरकार के पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है ।
- इसका मुख्यालय नई दलिली में है ।
- IMD विश्व मौसम वजिज्ञान संगठन के छह क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम वजिज्ञान केंद्रों में से एक है ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/western-disturbances-to-bring-rain-to-uttar-pradesh>

